प्लेसेंटल कोरैंगिओमा (Placental Chorangioma)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

यह पत्रक आपको यह समझने में मदद करेगा कि प्लेसेंटल एंजियोमा क्या है, आपको किन परीक्षणों की आवश्यकता है और आपके बच्चे और आपके परिवार के लिए प्लेसेंटल एंजियोमा के निदान का क्या अर्थ है।

प्लेसेंटल कोरैंगियोमा क्या है?

प्लेसेंटा एक अस्थायी अंग है जो माँ और विकसितहो रहे भ्रूण को जोड़ता है। यह बच्चे को खिलाने के लिए जिम्मेदार है। कभी-कभी इसके विकास के दौरान कुछ असामान्यताएँ दिखाई देती हैं, जैसे कि प्लेसेंटा का एक सौम्य ट्यूमर जिसे कोरैंगियोमा कहा जाता है। यह छोटा और कई हो सकता है, या बड़े आकार का निर्माण कर सकता है। सभी कोरैंगियोमा का आपके बच्चे और गर्भावस्था के परिणाम पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

एंजियोमा कितनी बार होता है?

कोरैंगियोमा सभी गर्भधारण के 1% को प्रभावित करता है, लेकिन उनमें से अधिकांश का गर्भावस्था के दौरान कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। बड़े कोरियोएंजियोमा (4-5 सेमी से अधिक) की घटना, जो जटिलताओं का कारण बन सकती है |(1:3500 से 1:9000 (0,29%-0,11%)

यह मेरे बच्चे को कैसे प्रभावित करता है?

ज़्यादातर मामलों में, कोरैंगियोमा छोटे या सूक्ष्म होते हैं और बच्चे को प्रभावित नहीं करते हैं। दुर्भाग्य से, ऐसे मामलों में जब कोरैंगियोमा 4 सेमी से बड़ा या अच्छी तरह से वैस्कुलर है, तो यह हो सकता है की कुछ नकारात्मक प्रभाव हो। ऐसे मामलों में, बच्चा एनीमिया, दिल की विफलता से पीड़ित हो सकता है, अपनी गर्भावधि उम्र के लिए बहुत छोटा हो सकता है या गर्भावस्था के दौरान सूज कर मर सकता है। ऐसी गर्भावस्था में, अक्सर एमनियोटिक द्रव का अधिक उत्पादन होता है;और समय से पहले प्रसव हो सकता है।

गर्भावस्था के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

डॉपलर विकल्प के साथ नियमित अल्ट्रासाउंड द्वारा बच्चे और ट्यूमर की स्थिति की जाँच की जानी चाहिए। अल्ट्रासाउंड की आवृत्ति विशेषज्ञ द्वारा निर्धारित की जाएगी। आमतौर पर छोटे ट्यूमर के मामलों में यह हर 3-4 सप्ताह में होगा, जबकि बड़े ट्यूमर में अल्ट्रासाउंड स्कैन हर 1-2 सप्ताह में किया जा सकता है। नियमित अल्ट्रासाउंड उन स्थितियों का निदान करने में मदद करेगा, जिनमें हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी, जैसे कि पॉलीहाइड्रमनिओस, बच्चे का हाइड्रोप्स या हेमोलिटिक एनीमिया। इन स्थितियों के बारे में जानकारी होने से आपका देखभाल करने वाला आपकी और आपके बच्चे (प्रसव सहित) की देखभाल की बेहतर योजना बना सकेगा।

क्या प्रसव के बाद मेरे बच्चे पर इसका कोई प्रभाव पड़ेगा?

कोरैंगियोमा अपने आप में बच्चे के भविष्य के जीवन को प्रभावित नहीं करता है, क्योंकि यह आक्रमण या मेटास्टेसिस नहीं करता है। दूसरी ओर, गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताएँ, खासकर अगर प्रसव समय से पहले हो और बच्चे के हाइड्रोप्स का प्रभाव पड़ सकता है।

क्या यह फिर से होगा**?**

फिर से होने का जोखिम बाकी आबादी के लिए समान है, यानी 100 में से 1। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि अगर यह फिर से होता है, तो गर्भावस्था का कोर्स पूरी तरह से अलग हो सकता है, क्योंकि उनमें से अधिकांश छोटे होते हैं और बच्चे को खतरा नहीं पहुँचाते हैं।

क्या हमें गर्भावस्था के दौरान कुछ आक्रामक इलाज करना होगा**?**

अधिक जटिल मामलों में, आक्रामक प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है, विशेषज्ञ आपको बताएगे कि क्या आगे कुछ इलाज या सरल निगरानी पर्याप्त होगी।

मुझे और क्या प्रश्न पूछने चाहिए?

- ट्यूमर कितना बड़ा है?
- क्या ट्यूमर ऐसा दिखता है कि यह जटिलताएँ पैदा कर सकता है?
- क्या मेरे बच्चे को अभी तक कोई जटिलता है?
- मुझे कितनी बार अल्ट्रासाउंड करवाना होगा?
- क्या हमें गर्भावस्था के दौरान कोई आक्रामक प्रक्रिया करवाने की ज़रूरत है?
- मुझे कहाँ और कब प्रसव करवाना चाहिए?

Last updated 2024